RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 280
दि. 11.02.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी डिग्री मामला: 'केवल सनसनी फैलाने का प्रयास'; डीयू का दो टूक जवाब; दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया 3 हफ्ते का समय

नई दिल्ली , (जीएनएस)। दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि पीएम मोदी की डिग्री जानकारी की मांग केवल सनसनी फैलाने के लिए की जा रही है। कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय को तीन हफ्ते का समय दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री से जुड़ी जानकारी के खुलासे को लेकर चल रहे मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने अपील दाखिल करने में हुई देरी पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए विश्वविद्यालय को तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय दे दिया।

मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ ने कहा जैसा कि प्रार्थना की गई है, देरी माफ करने से संबंधित आवेदन पर आपत्ति दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया जाता है। मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में दलील दी कि इस पूरे मामले में कुछ भी ठोस नहीं है और इसे केवल सनसनी फैलाने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने अपील में हुई देरी के साथ-साथ मामले के गुण-दोष पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा।

अपीलकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील ने कोर्ट को बताया कि करीब ढाई महीने बीत जाने के बावजूद डीयू ने देरी पर आपत्ति दाखिल नहीं की है। उन्होंने कहा कि यह देरी केवल 15 से 45 दिनों की है, जिसे अदालत आसानी से माफ कर सकती है। वकील ने यह भी मांग की कि यदि दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य अपील पर जवाब देना चाहता है, तो कोर्ट औपचारिक नोटिस जारी करे। इस पर सॉलिसिटर जनरल मेहता ने आपत्ति

जताते हुए कहा नोटिस जारी करना सिर्फ सनसनी फैलाने के लिए नहीं हो सकता।

क्या है पूरा मामला?

यह अपील दिल्ली हाईकोर्ट के उस एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दायर की गई है।

जिसने 25 अगस्त 2025 को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को रद्द कर दिया था।

जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्नातक डिग्री से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने का निर्देश दिया गया था।

अपीलकर्ताओं में आरटीआई कार्यकर्ता नीरज, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह और अधिवक्ता मोहम्मद इरशाद शामिल हैं।

एकल न्यायाधीश का अहम फैसला

गौरतलब है कि एकल न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा था कि केवल सार्वजनिक पद पर होने के कारण किसी व्यक्ति की सभी व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं। कोर्ट ने साफ कहा कि आरटीआई कानून का उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाना है, न कि सनसनी के लिए सामग्री उपलब्ध कराना। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि यदि किसी सार्वजनिक पद के लिए शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य होती, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर सीआईसी के रुख को पूरी तरह गलत बताया गया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने इसी फैसले में सीआईसी के उस आदेश को भी रद्द कर दिया था, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के कक्षा 10 और 12 के रिकॉर्ड सीबीएसई से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

सीएम ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के निर्देश दिए

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई (इटावा) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के निर्देश दिए।

इससे सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपात परिस्थितियों में घायलों को त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर रूरल हेल्थ' की स्थापना तथा इसके लिए टेली-ओपीडी, वर्चुअल ओपीडी, डिजिटल डाटा एकीकरण तथा मोबाइल आउटरीच जैसी सेवाओं को शामिल करते हुए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में 'इंटीग्रेटिव मेडिसिन' यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसके माध्यम से एलोपैथी एवं आयुष पद्धतियों के समन्वय से रोगी-केंद्रित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि विश्वविद्यालय से समाज की उच्च अपेक्षाएं जुड़ी हैं, जिनकी पूर्ति के लिए 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में समग्र सुधार हो सके। स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसंपर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा समाज के साथ प्रभावी संवाद स्थापित किया जाए। बैठक में 'कम्युनिटी ब्रॉडकास्ट सर्विस' की स्थापना का निर्णय लिया गया।

असम की नई वोटर लिस्ट से गायब हुए 2.4 लाख नाम, चुनाव आयोग ने जारी की फाइनल लिस्ट

चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए विशेष पुनरीक्षण 2026 की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। इस नई सूची के अनुसार, असम में अब कुल 2.49 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। दिलचस्प बात यह है कि मसौदा सूची की तुलना में अंतिम सूची में

मतदाताओं की संख्या में 2,43,485 की कमी आई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिला और 343 थर्ड जेंडर मतदाता पंजीकृत हैं। यह सूची डोर-टू-डोर वेरिफिकेशन और दावों के निस्तारण के बाद तैयार की गई है।

मुर्शिदाबाद में 11 फरवरी से शुरू होगा बाबरी जैसी मस्जिद का निर्माण, हुमायूं कबीर के ऐलान के बाद मचा बवाल

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 11 फरवरी को बाबरी मस्जिद जैसी संरचना के निर्माण की घोषणा ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी है। जनता उन्नयन पार्टी (जेयूपी) के प्रमुख और पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के इस ऐलान के बाद बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे मस्जिद निर्माण का औपचारिक शुभारंभ होगा। इससे पहले सुबह 10 बजे से लगभग 1000 से 1200 मौलाना, मुफ़्ती और धर्मगुरु पवित्र कुरान की तिलावत करेंगे। कबीर का कहना है कि इस कार्यक्रम में किसी भी राजनीतिक वीआईपी को आमंत्रित नहीं किया गया है, बल्कि केवल कुरान के हाफिज और इस्लामी विद्वान ही शामिल होंगे।

दो साल में निर्माण का लक्ष्य, ₹300 करोड़ की लागत का अनुमान

कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर 12:30 से 1 बजे के बीच निर्माण कार्य की विधिवत शुरूआत होगी। कबीर ने दावा किया है कि इस अवसर पर हजारों लोग जुटेंगे।

मस्जिद को दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिस पर लगभग ₹300 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। हालांकि अब तक केवल ₹6 करोड़ का चंदा ही जुट पाया है, जिससे परियोजना की फंडिंग को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

कबीर बोले- तकनीकी देरी के बाद अब सभी औपचारिकताएं पूरी

पीटीआई के मुताबिक, हुमायूं कबीर ने बताया कि 6 दिसंबर 2025 को बोर्ड लगने के बावजूद तकनीकी प्रक्रियाओं के कारण निर्माण कार्य में देरी हुई। अब सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और बुधवार से काम शुरू होगा।

पहले परियोजना को तीन साल में पूरा करने की योजना थी, लेकिन निर्माण कंपनी से हुए समझौते के बाद इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। यह परियोजना नदिया के पलासी स्मारक से लेकर फरक्का और इटाहर तक लगभग 235 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करने का दावा करती है।

हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद मुद्दे को लेकर अपने खिलाफ राजनीतिक साज़िश रचे जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार

उन पर दबाव बना रही है और उन्हें रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कबीर का कहना है कि जो लोग उन्हें हटाने के लिए एकजुट हुए थे, वे अब अपने फैसले पर पछता रहे हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि 28 फरवरी को चुनाव घोषणा के बाद राज्य की राजनीतिक तस्वीर बदल सकती है।

इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 10 फरवरी को बाराबंकी में कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, "जो लोग बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण का सपना देख रहे हैं, उनका यह सपना कयामत तक भी पूरा नहीं होगा।"

पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के कार्यक्रम में बड़ा हादसा, एक की मौत से मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में मंगलवार को एक दुखद हादसा हो गया। पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा द्वारा आयोजित नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान अचानक मची भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई और सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

12 एकड़ में फैले इस भव्य मंदिर परिसर में 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए भारी जनसैलाब उमड़ा था। कुप्रबंधन और भारी भीड़ के कारण हुई इस घटना ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कलश यात्रा में मची जानलेवा भगदड़

डबरा में आयोजित इस कलश यात्रा के दौरान जब कलशों का वितरण किया जा रहा था, तभी भीड़ बेकाबू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, व्यवस्थाएं सीमित थीं और श्रद्धालु हजारों की संख्या में थे। धक्का-मुक्की ने जल्द ही भगदड़ का रूप ले लिया, जिसमें कई महिलाएं जमीन पर गिर गईं और दब गईं। हनुमान कॉलोनी की रहने वाली रति साहू की इस हादसे में जान चली गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों ने प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त किया।

पूर्व गृहमंत्री का कार्यक्रम और प्रशासनिक विफलता

यह भव्य धार्मिक आयोजन पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा था, जो 20 फरवरी तक चलना है।

इतने बड़े स्तर के कार्यक्रम में एम्बुलेंस और पुलिस बल की तैनाती तो थी, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करने का कोई ठोस प्लान नजर नहीं आया। डीआईजी अमित सांघी ने पुष्टि की है कि हादसा कलश वितरण के समय हुआ।

महाराष्ट्र में फडणवीस कैबिनेट ने पूरी की दिवंगत अजित पवार की तीन इच्छाएं, इससे किन्हें होगा लाभ?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र कैबिनेट ने उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के दुखद निधन के तुरंत बाद अपनी पहली बैठक में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा समर्थित तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन परियोजनाओं को अक्सर उनके विकासात्मक दृष्टिकोण और राज्य के प्रति योगदान के "अंतिम उपहार" के रूप में देखा जा रहा है। ये मंजूरियाँ औद्योगिक, अवसंरचनात्मक और प्रशासनिक सुधारों पर केंद्रित हैं।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन के बाद हुई महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की पहली बैठक में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान, अजीत पवार द्वारा व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ाए गए तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी देकर उनकी दूरदर्शिता को सम्मान दिया गया। यह निर्णय 28 जनवरी को बारामती में हुए एक विमान

हादसे में एनसीपी नेता के असामयिक निधन के कुछ ही दिनों बाद लिया गया।

इंदापुर (रत्नापुर) में 1,000 एकड़ औद्योगिक क्षेत्र

कैबिनेट ने रत्नपुरी माला, इंदापुर तालुका में 1,000 एकड़ भूमि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (टकळ) को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी। इस भूमि पर एक नया, आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यह परियोजना अजीत पवार द्वारा क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए लंबे समय से प्रस्तावित थी।

बारामती स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए निधि

अजीत पवार की युवा सशक्तिकरण और खेल अवसंरचना को मजबूत करने की दृष्टि के अनुरूप, बारामती में एक आधुनिक खेल परिसर के विकास के लिए समर्पित निधि को मंजूरी दी गई।

यह कदम युवा खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा।

पुणे में नए अतिरिक्त कलेक्टर पद

पुणे के उपनगरीय क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती शहरी आबादी और नागरिक मुद्दों के बेहतर प्रबंधन के लिए नए अतिरिक्त कलेक्टर पदों के सृजन को मंजूरी दी गई। यह निर्णय प्रशासनिक कार्यभार को कम करने और शहर के सुचारू संचालन में मदद करेगा।

ये निर्णय अजीत पवार द्वारा वित्त और गार्डियन मंत्री के रूप में शुरू की गई लंबित और महत्वपूर्ण परियोजनाओं के अंतर्गत आते हैं राजनीतिक दृष्टिकोण से, यह मंजूरी उनके निधन के समय में राज्य के शोक की अवधि के दौरान दी गई।

अब नहीं चलेगा एआई का खेल! 20 फरवरी से लागू होंगे सख्त नियम

(जीएनएस)।

डिजिटल सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आईटी नियम 2021 के नए संशोधनों को लॉन्च किया है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि तकनीक का उपयोग जनहित के लिए होना चाहिए, न कि समाज में भ्रम और नफरत फैलाने के लिए। 20 फरवरी 2026 से लागू होने वाले ये नियम विशेष रूप से डीपफेक और एआई (AI) से उत्पन्न खतरों को जड़ से खत्म करने के लिए बनाए गए हैं।

गृह मंत्री के इस हस्तक्षेप के बाद अब सोशल मीडिया कंपनियों के लिए भ्रामक एआई कंटेंट की पहचान करना और उसे चंद घंटों में हटाना अनिवार्य होगा, जिससे देश की डिजिटल सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

नए संशोधनों के तहत अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ गई है। यदि किसी प्लेटफॉर्म पर भ्रामक एआई कंटेंट या डीपफेक वीडियो पाया जाता है, तो उसे सूचना मिलने के महज 3 घंटे के भीतर हटाना होगा। इससे पहले यह समय सीमा 36 घंटे की थी। सरकार का मानना है कि वायरल होने वाली सामग्री को शुरूआती घंटों में रोककर ही बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। इसके अलावा, अब कानून-व्यवस्था से जुड़ी सूचना केवल डीआईजी या उससे ऊपर के अधिकारी ही दे सकेंगे।

अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को

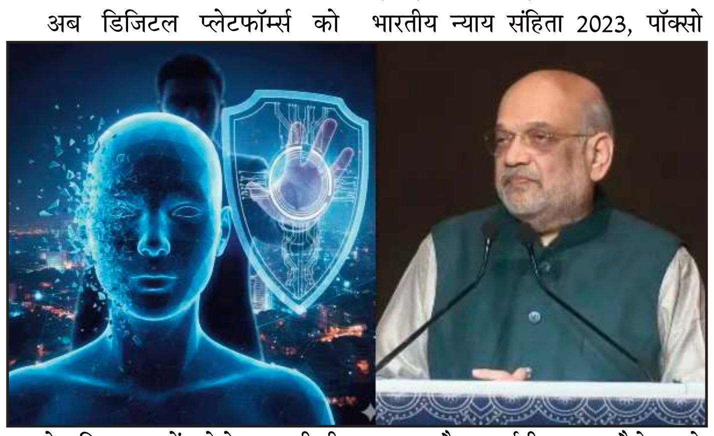

अपने सिस्टम में ऐसे तकनीकी उपकरण लगाने होंगे जो 'सिंथेटिकली जेनरेटेड इंफॉर्मेशन' यानी एआई द्वारा तैयार फोटो, ऑडियो या वीडियो की पहचान कर सकें। हर एआई जनरेटेड कंटेंट पर एक स्पष्ट 'लेबल' लगाना होगा और उसमें एक ऐसा मेटाडेटा जोड़ना होगा जिसे हटाया न जा सके। इससे यूजर्स को यह पता चल सकेगा कि जो सामग्री वे देख रहे हैं वह वास्तविक है या किसी एल्गोरिद्म द्वारा बनाई गई कृत्रिम रचना है।

कंपनियों को अब हर तीन महीने में अपने यूजर्स को नियमों और कानूनों की जानकारी देनी होगी। यूजर्स को साफ तौर पर चेतावनी दी जाएगी कि डीपफेक या आपत्तिजनक एआई सामग्री साझा करने पर उन पर भारतीय न्याय संहिता 2023, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट जैसे कड़े कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है। साथ ही, अब प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स से यह घोषणा भी करवानी होगी कि उनके द्वारा अपलोड किया गया कंटेंट एआई से बना है या नहीं।

बच्चों की सुरक्षा और फर्जी दस्तावेजों पर सख्ती

सरकार ने साफ किया है कि बच्चों के यौन शोषण, बिना सहमति के बनाई गई अश्लील सामग्री, हथियार और हिंसा से जुड़े एआई कंटेंट को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एआई के जरिए बनाए जाने वाले फर्जी दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पर भी सख्त पाबंदी होगी।

यदि कंपनियां इन नियमों का पालन करने में विफल रहती हैं, तो उनकी 'सेफ हार्बर' सुरक्षा (कानूनी सुरक्षा) समाप्त हो जाएगी और वे भी कानूनी रूप से दोषी मानी जा सकेंगी।

जेल में बंद राजपाल यादव की बेबसी देख पसीजा तेजप्रताप का दिल, इतने लाख की करेंगे मदद

चेक बाउंस के एक दशक पुराने मामले में दिल्ली की अदालत ने राजपाल यादव की मोहलत की गुहार ठुकरा दी, जिसके बाद उन्हें तिहाड़ जेल में सरेंडर करना पड़ा। मानवीय करुणा एवं सहयोग की भावना से, मैं जेजेडी परिवार की ओर से ₹11,00,000 (ग्यारह लाख रुपये) की आर्थिक सहायता उनके परिवार को प्रदान कर रहा हूं।

मशहूर अभिनेता और 'मसीहा' कहे जाने वाले सोनू सूद भी राजपाल यादव के समर्थन में खुलकर सामने आए हैं। सोनू सूद ने एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए राजपाल यादव को फिल्म इंडस्ट्री का एक अनमोल रत्न बताया। उन्होंने लिखा कि कभी-कभी वक्त हुनर से ज्यादा क्रूर हो जाता है।

सीहोर रेलवे स्टेशन पर 21 जोड़ी ट्रेनों का अस्थाई ठहराव

रतलाम 10 फरवरी। महाशिवरात्रि मेला के दौरान सीहोर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए वहाँ से गुजरने वाली 21 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस एवं सुपरफास्ट ट्रेनों का अस्थाई ठहराव दिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह ठहराव 13 फरवरी, 2026 से 22 फरवरी 2026 तक दिया जाएगा। ठहराव दिये गये ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः–

12923/12924 डॉ. अम्बेडकर नगर नागपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

19301/19302 डॉ. अम्बेडकर नगर यशवंतपुर एक्सप्रेस

22911/22912 इंदौर हावड़ा क्षिप्रा एक्सप्रेस

20414/20413 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

20416/20415 इंदौर वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

14115/14116 ड ा ॅ. अम्ेबेडकर नगर प्रयागराज एक्सप्रेस

19313/19314 इंदौर पटना एक्सप्रेस

19321/19322 इंदौर पटना एक्सप्रेस

19305/19306 डॉ. अम्बेडकर नगर कामाख्ेया एक्सप्रेस

22645/22646 इ ं द ौ र तिरूवनंतपुरम नॉर्थ एक्सप्रेस

22191/22192 इंदौर जबलपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस

12719/12720 जयपुर हैदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस

17019/17020 हिसार हैदराबाद एक्सप्रेस

22909/22910 वलसाड पुरी एक्सप्रेस

20814/20813 जोधपुर पुरी एक्सप्रेस

15560/15559 अहमदाबाद दरभंगा

19413/ 19414 अहमदाबाद कोलकाता एक्सप्रेस

22829/22830 भुज शालिमार एक्सप्रेस

22673/22674 जोधपुर – मन्नारगुड़ी एक्सप्रेस

22468/ 22467 गांधीनगर कैपिटल वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

19489/ 19490 अहमदाबाद गोरखपुर एक्सप्रेस

ट्रेनों की अद्यतन सूचना की जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जनसंपर्क विभाग – रतलाम मंडल

चार वर्षीय मासूम की गला दबाकर हत्या,झोपड़ी से शव बरामद

(जीएनएस)।

बिसवां/सीतापुरः बिसवा कोतवाली इलाके में सोमवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां गांव के बाहर स्थित एक झोपड़ी में दोपहर तीन बजे से लापता एक 5 वर्षीय बच्ची का खून से लथपथ शव बरामद मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। इस वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार 4 वर्षीय मासूम बच्ची संध्या पुत्री रामशरण दोपहर तीन बजे से लापता हो गई। पिता शाम पांच बजे से ग्रामीणों की मदद से उसकी तलाश की तो देर रात उसका शव गांव के बाहर बने एक झोपड़ी से खून से लथपथ बरामद हुआ

तो हड़कंप मच गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई।घटना की जानकारी पर पहुंची स्थानीय पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वही देर रात से एसपी अंकुर अग्रवाल, एएसपी दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह, सीओ बिसवा अमन सिंह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मासूम बच्ची के गर्दन पर रस्सी से गला कसे जाने के निशान पाए गए है। वही शव पर मिले खून से मासूम की मौत का राज और अधिक गहरा हो गया। परिजनों ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले में एक युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

दुबई से ठगी का 'ट्रेनिंग' लेकर लौटे मास्टरमाइंड गिरफ्तार: पीलीभीत पुलिस ने फर्जी गेमिंग ऐप गिरोह का किया भंडाफोड़

(जीएनएस)।

पीलीभीत,घुंघचाई थाना पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दुबई में ठगी का प्रशिक्षण लेकर लौटे अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह के दो मुख्य सरगनाओं को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरोह फर्जी गेमिंग ऐप के जरिए लोगों को लालच देकर उनके बैंक खाते खाली कर रहा था।

थाना प्रभारी जयशंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एनसीआरबी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई की। गिरोह के मुख्य संचालक हर्षित उर्फ तनिश को मध्य प्रदेश के भोपाल से तथा आशुतोष कुमार उर्फ आशु को दिल्ली के मालवीय नगर से पकड़ा गया। जांच में पता चला कि गिरोह

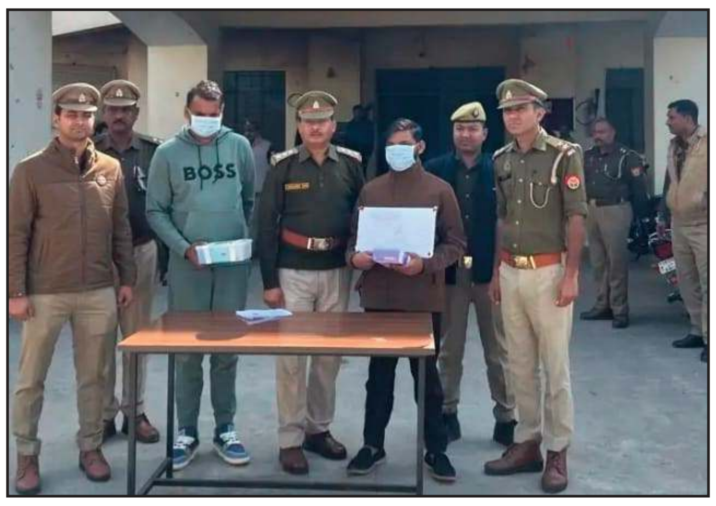

के कुछ सदस्य पहले ही पीलीभीत और उत्तराखंड के रुद्रपुर से गिरफ्तार हो चुके थे, लेकिन ये दोनों सरगना लंबे समय से फरार थे।

पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि दुबई में रहकर उन्होंने फर्जी गेमिंग ऐप से ठगी का प्रशिक्षण लिया। भारत लौटने के बाद अवैध कॉल सेंटर स्थापित कर लोगों को ऑनलाइन गेमिंग में मुनाफे का लालच दिया। जैसे ही शिकार ऐप डाउनलोड करता, वे बैंक डिटेल चुरा लेते और खाता खाली कर देते।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सात हाई-टेक मोबाइल फोन, एक लैपटॉप (जिसमें ठगी का डेटा होने की आशंका), पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज बरामद किए। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी संगठित गिरोह चला रहे थे। अब उनके बैंक खातों और डिजिटल डेटा का विश्लेषण कर शिकारों की संख्या का पता लगाया जा रहा है।

पीलीभीत में ट्रक मालिक ने चालक को बेल्ट-लातों से पीटा: पुलिस की मौजूदगी में हिंसा, समझौते का आरोप, जांच शुरू

(जीएनएस)।

पीलीभीत,बरखेड़ा थाना क्षेत्र में एक ट्रक मालिक ने अपने चालक की सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सरेआम बेल्ट, लातों और घूंसों से बेरहमी से पिटाई की। छह लोगों ने मिलकर चालक को पीटा, जो हाथ जोड़कर दया की भीख मांगता नजर आया। कथित तौर पर चालक बिना बताए ट्रक ले गया था, जिससे नाराज मालिक और उसके साथी मौके पर पहुंचे।

पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पिटाई के दौरान पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे, फिर भी हिंसा रोकने के बजाय दोनों पक्षों में समझौता

कराने का आरोप लग रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक की चीखें गूंज रही थीं, लेकिन पुलिस चुप रही। वीडियो वायरल होने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है और उच्चाधिकारियों ने संज्ञान ले लिया।

थाना प्रभारी का बयान

बरखेड़ा थाना अध्यक्ष प्रमेंद्र कुमार ने कहा, "सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर जांच चल रही है। अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली। शिकायत और जांच के तथ्यों पर वैधानिक कार्रवाई होगी।

"यह घटना पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ी कर रही है। सोशल मीडिया पर लोग पुलिस की निष्क्रियता की कड़ी निंदा कर रहे हैं।

पीलीभीत में शराब भट्टी पर सनसनीखेज चोरी: दीवार तोड़कर घुसे चोर, 39 पेटी शराब और 18 हजार नकद ले उड़े

(जीएनएस)।

पीलीभीत,जिले के दियोरिया कलां थाना क्षेत्र के जयनगर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक देशी शराब भट्टी को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान की पिछली दीवार में नकब सेंधकर अंदर घुस गए और वहां से 39 पेटी देशी शराब के साथ-साथ 18,000 रुपये नकद भी लूट लिए। यह घटना क्षेत्र में सनसनी फैला रही है और ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

सूत्रों के अनुसार, चोर रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए जयनगर स्थित देशी शराब दुकान पर पहुंचे। उन्होंने सोमवार रात करीब 2 बजे दुकान की पिछली दीवार में बड़ा सा छेद कर लिया और अंदर प्रवेश कर गए। दुकान के गल्ले से नकदी साफ कर दी और भारी मात्रा में स्टॉक की गई 39 पेटियां उठा लीं। चोर इतने चालाक थे कि उन्होंने दुकान का ताला

तोड़ने की बजाय दीवार का सहारा लिया, जिससे घटना का पता सुबह होने पर ही चला।

मंगलवार सुबह जब दुकान का सेल्समैन पहुंचा, तो नजारा देखकर उसके होश उड़ गए। टूटी हुई दीवार, बिखरा सामान और गायब स्टॉक को देखते ही उसने तुरंत थाने पर सूचना दे दी। थाना अध्यक्ष गौतम सिंह अपनी टीम के साथ फौरन मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और दीवार में बने बड़े सुराख को देखा, जो चोरों की सुनियोजित साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं और ग्रामीणों से पूछताछ भी की जा रही है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में चोरियां और डकैतियां बढ़ गई हैं, जिससे ग्रामीण दहशत में जी रहे हैं। जयनगर गांव के एक बुजुर्ग निवासी रामस्वरूप ने बताया, "रात में गश्त की कमी से अपराधी बेलगाम हो गए हैं। अब शराब भट्टियां भी सुरक्षित नहीं रह गईं।" एक अन्य ग्रामीण ने कहा कि चोर शराब ले गए, लेकिन इससे ज्यादा चिंता की बात पुलिस की लापरवाही है।

थाना अध्यक्ष गौतम सिंह ने बताया, "चोरी की तहरीर मिलते ही मामला दर्ज कर लिया गया है। विशेष टीम गठित कर संदिग्धों की धरपकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही चोरों को पकड़कर शराब और नकदी बरामद कर ली जाएगी।" पुलिस ने आसपास के जिलों में भी अलर्ट जारी कर दिया है। यह घटना न केवल स्थानीय व्यापारियों में असुरक्षा की भावना पैदा कर रही है, बल्कि पुलिस की नाकामी पर भी सवाल खड़े कर रही है।

कानून का पालन करेंगे तो आगे बढ़ेंगे, अराजकता के लिए नहीं है कोई जगह : सीएम योगी

– हनुमत विराट महायज्ञ में शामिल होकर विकास योजनाओं का किया ऐलान

– बोले–प्रदेश में अब शांति, सुरक्षा और समृद्धि का नया दौर

(जीएनएस)।

बाराबंकी। मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दशम हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश अब अनुशासन, विकास और कानून-व्यवस्था के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि जो लोग अव्यवस्था फैलाने का सपना देखते हैं,

उन्हें समझ लेना चाहिए कि राज्य में कानून सर्वोपरि है और उसका पालन करने के लिए सरकार पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने यज्ञ मंडप में आहुति अर्पित की और संत बलराम दास से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में अयोध्या सहित कई जिलों के संत-महंत, जनप्रतिनिधि और हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रदेश में बदली तस्वीर, शांति और सुरक्षा बनी पहचान

मुख्यमंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश में अब शांति और सौहार्द का वातावरण है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाकर सरकार ने आमजन को सुरक्षित माहौल दिया है, जिससे विकास की गति तेज हुई है।

सनातन संस्कृति पर गर्व, सजग रहने का आह्वान

अपने संबोधन में मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और सनातन संस्कृति एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने लोगों से एकजुट रहकर सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने और समाज को कमजोर करने वाली ताकतों से सतर्क रहने की अपील की।

कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों को लाभ

मा0 मुख्यमंत्री ने सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रदेश में एक करोड़ से अधिक परिवारों को पेंशन दी जा रही है, जबकि 15 से 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान

पूरनपुर में भाकियू (भानू) का भ्रष्टाचार के खिलाफ मासिक पंचायत: एसडीएम को सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन, बड़े आंदोलन की चेतावनी

(जीएनएस)।

पीलीभीत जनपद के पूरनपुर तहसील में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने मासिक पंचायत का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों किसानों और संगठन के पदाधिकारियों ने स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार व अव्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने की, जिन्होंने एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्वास्थ्य सेवाओं की लचलापन, अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों का संचालन, भ्रष्ट लेखपालों की मनमानी और अधिकारियों की अनुपस्थिति जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुए, तो पूरे जिले में व्यापक आंदोलन छेड़ दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में 'पैसे के बिना इलाज नहीं' का बोलबाला

जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी ने पंचायत को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग पर सबसे तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "जिला अस्पताल और महिला जिला अस्पताल में गरीब मरीजों को पट्टी बदलने या सुई निकालने जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी 200-500 रुपये तक अवैध वसूली की जा रही है। एक बुजुर्ग

महिला को हाल ही में सुई निकालने के लिए 300 रुपये देने पड़े, जबकि यह मुफ्त होना चाहिए।" क्रोधी ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों और स्टाफ की मिलीभगत से यह कुप्रथा रोजमर्रा हो चुकी है, जिससे ग्रामीण इलाकों के असहाय मरीज परेशान हैं। संगठन ने मांग की है कि इन अस्पतालों में तत्काल पारदर्शी व्यवस्था लागू हो और अवैध वसूली पर सख्ती बरती जाए।

अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटरों से जनता का शोषण

ज्ञापन के दूसरे प्रमुख बिंदु पर जिले में बिना पंजीकरण और मानकों के विपरीत चल रहे दर्जनों अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर कार्रवाई न होने का मुद्दा था। भाकियू नेताओं ने खुलासा किया कि ये केंद्र गर्भाशय जांच के नाम पर महिलाओं का आर्थिक व शारीरिक शोषण कर रहे हैं। एक किसान नेता ने बताया, "एक महिला को गलत रिपोर्ट देकर 5 हजार रुपये ऐंठे गए, जिससे परिवार कर्ज में डूब गया। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से ये केंद्र बेलगाम हो रहे हैं।" संगठन ने मांग की है कि इन केंद्रों को तत्काल सील किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

लेखपाल की मनमानी और 'रक्फ़' नोटिस की मार

सिद्ध नगर नरोसा ग्राम पंचायत के लेखपाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी जांच व निलंबन की मांग की गई। किसानों ने शिकायत की कि ये लेखपाल नक्शा सुधारने या प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए रिश्वत मांगते हैं। इसके अलावा, 'रक्फ़' नोटिस के सिलसिले में दूरस्थ गांवों से आने वाले ग्रामीणों को अधिकारियों की अनुपस्थिति का सामना करना पड़ता है। एक किसान ने रोष जताते हुए कहा, "हम सुबह 10 बजे आते हैं, लेकिन तहसीलदार या नायब दोपहर बाद ही नजर आते हैं। इससे मजदूरी छूटती है और समस्या जस की तस रह जाती है।" ज्ञापन में तहसील स्तर पर अधिकारियों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग शामिल है।

एसडीएम का आश्वासन, लेकिन किसान सतर्क

एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए कहा, "उठाए गए सभी बिंदुओं की गहन जांच कराई जाएगी। संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।" पंचायत में भारी संख्या में किसान, महिलाएं और यूनियन कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने नारों के साथ अपना समर्थन जताया। भाकियू नेताओं ने स्पष्ट किया कि आश्वासन पर अमल न होने पर अगले मासिक पंचायत में आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

यह पंचायत न केवल स्थानीय मुद्दों को उजागर करती है, बल्कि ग्रामीण भारत में प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

10 सूत्रीय मांगों पर अड़े भाकियू भानु के कार्यकर्ता निस्तारण न होने तक जारी रहेगा अनिश्चित कालीन धरना

(जीएनएस)।

पीलीभीत बीसलपुर तहसील परिसर में भाकियू भानु द्वारा पूर्व में दिए गए ज्ञापनों पर संज्ञान न लेने के संबंध में, 10 बिंदुओं की समस्याओं के निस्तारण न होने तक अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।भारतीय किसान यूनियन भानु के तहसील अध्यक्ष महेंद्र पाल गंगवार (पूर्व सैनिक) के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा पूर्व में दिए गए ज्ञापन पत्र दिनांक 29.01.2026 के संबंध में आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

जिसके संबंध में दिनांक 10.02.2026 को संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के नेतृत्व में बीसलपुर तहसील परिसर में समस्याओं के समाधान हेतु अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन जारी है। संगठन द्वारा 10 बिंदुओं की समस्याओं के समाधान हेतु प्रस्ताव रखा गया है, जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा बताया गया है कि तहसील क्षेत्र के ग्राम कनपरी में पारंपरिक तालाब, चकरोड, मृत मवेशियों के दफन स्थल एवं जल निकासी की पुलियों को बंद किया जा रहा है, तथा सार्वजनिक सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो कि शासनादेशों का खुला उल्लंघन है।

1 यह कि अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त कराया जाये और क्षेत्रीय लेखपाल अर्पित मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाये।

2. यह कि ग्राम कनपरी निवासी आनन्द पुत्र रामरतन के परिवार में पहले से चार पहिया वाहन, ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं गांव में दो पक्के मकान मौजूद हैं, जिसमें एक मकान दो मंजिला है। इसके बावजूद भी

प्रधानमंत्री आवास देकर फर्जी जियो टैगिंग कर लाभ दिलाया गया है। इस घोर भ्रष्टाचार में संलिप्त दोषियों पर कठोर कार्यवाही करते हुए रिकवरी की जाये।

3. यह कि तहसील स्तर पर जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में भारी हीला-हवाली एवं भ्रष्टाचार व्याप्त है। आम जनता से अवैध वसूली हो रही है, जिस पर तत्काल अंकुश लगाया जाये।

4. यह कि प्रधानमंत्री आवास आवंटन में पात्रों को लाभान्वित कराया जाये एवं अपात्रों की जांच कर कार्यवाही की जाये। तहसील क्षेत्र के सभी ब्लॉकों में।

5. यह कि बिलसंडा थाना क्षेत्र के गांव बेहटा के हमारे कृषक भाई राम बहादुर पुत्र जानकी प्रसाद की पांच बीघा गन्ने की फसल, जोकि मजदूरों से तीन ट्रॉली गन्ना छिलवा हुआ था, गांव के दबंग ओमपाल व नेमचन्द पुत्रगण जानकी प्रसाद एवं देवदत्त पुत्र ओमपाल ने बिलसंडा थाना के प्रभारी सिद्धान्त शर्मा, उपनिरीक्षक मनोज कुमार गौतम व हेड कांस्टेबल गुरमीत से मोटी रिश्वत देकर संगठन के कार्यकर्ता का गन्ना नहीं उठने दिया और उक्त दबंगों का गन्ना उठवाकर बिक्री करवा दिया। हमारे कार्यकर्ता का गन्ना पड़ा-पड़ा सूख गया। तत्काल प्रभाव से उक्त पुलिस कर्मियों एवं उक्त दबंगों का हजार्ना दिलवाया जाये और तीनों पुलिस कर्मियों का थाना बिलसंडा से स्थानान्तरण किया जाये।

6. यह कि ग्राम पंचायत बेहटा गांव में अमृत सरोवर के पास बने श्मशान स्थल पर यूकेलिप्टस के पेड़ों का अवैध रूप से कटान करने एवं पीला ईंटों से तालाब के पास ही पक्के रोड से श्मशान तक बिछाया गया खड़ंजे की जांच कराकर कार्यवाही की जाये, जिसमें पीला ईंटों का प्रयोग कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है तथा ग्राम प्रधान द्वारा श्मशान स्थल पर जो बेंचों की बुनियाद बनवाई गयी है, वह अवैध तथा गलत तरीके से बनवाई गयी है, जिन्हें तत्काल तुड़वाया जाये।

7. यह कि मनपुरा गांव में श्मशान और आयुर्वेदिक अस्पताल का निर्माण कराया जाये तथा गांव में उबड़-खाबड़ गलियों का तत्काल प्रभाव से इंटरलॉकिंग करवाया जाये ताकि ग्रामीणों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

8. यह कि भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का टोल टैक्स माफ किया जाये। भारतीय भानु के किसी भी वाहन को टोल टैक्स पर न रोका जाये।

9. यह कि गांव सुजनी के हमारे कृषक भाई दन्ने उर्फ दन्ना अपने खेत तक आने-जाने में परेशानी होती है। संगठन के कार्यकर्ता को खेत तक जाने के लिए रास्ता दिलवाया जाये, जबकि हमारे कार्यकर्ता रास्ता के बदले में उतनी ही भूमि अपने खेत में से देने को तैयार हैं।

10. यह कि तहसील में बड़े पैमाने पर प्राइवेट युवकों से सरकारी कार्य कराया जा रहा है, जिस कारण किसानों से अवैध वसूली की जा रही है, जिस पर तत्काल अंकुश लगाया जाये।मौके पर धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी, , महेंद्र पाल गंगवार पूर्व सैनिक, तहसील अध्यक्ष, धनंजय शुक्ला तहसील उपाध्यक्ष, राकेश प्रताप यादव ब्लॉक अध्यक्ष, मनोज दीक्षित तहसील संगठन मंत्री, योगेश अवस्थी जिला सचिव, संचित दीक्षित वरिष्ठ किसान नेता, शेखर दीक्षित जिला सचिव, सुशील मिश्र, ओमप्रकाश राजपूत जिला उपाध्यक्ष, गयाप्रसाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,विशाल मिश्रा बिलसंडा नगर अध्यक्ष, अनिल शर्मा ब्लॉक उपाध्यक्ष, नितिन त्रिवेदी,महेंद्र पाल, प्रभुदयाल, मेवाराम, रोहनलाल, कृष्णपाल, आदि मौजूद रहे

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

कोरियन कल्चर से लव गेम के चलते तीन सगी बहनों की गई जान

कोरियन लव गेम गाजियाबाद में तीन सगी बहनों का 9वीं मंजिल से कूदकर जान देने की घटना ने एक बार फिर इस जानलेवा गेम्स की भारी कीमत चुकाने की याद दिला दी है। इस घटना को महज आत्महत्या कहना सच्चाई से आंखें मूंदना जैसा होगा। इन तीन नाबालिग बच्चियों की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। गाजियाबाद के शालीमार गार्डन की यह घटना कई दिनों सुर्खियों में है और कई तरह की बातें कही जा रही हैं। शालीमार गार्डन के एसीपी अतुल कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया चार फरवरी की रात लगभग सवा दो बजे सूचना मिली कि टीला मोड़ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत भारत सिटी में एक घटना हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची वहां तीन बच्चियों की ऊंची इमारत से गिरने के कारण मौत हो गुई थी। उन्हें एम्बुलेंस के जरिए लोनी के एक अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। तीनों बहनों के नाम है 16 वषाय विशिका, 14 वषीय प्राची और 12 वषाय पाखी। बारह, चौदह और सोलह वर्ष की उम्र तो सपनों को पंख लगाकर उड़ने की होती है। उस उम्र में मौत को गले लगाना भला किसके गले उतर सकता है? दरअसल हालात, स्थितियां और आभासी भावनाओं के झूठे संसार ने इन मासूमों को मौत की दर तक पहुंचाया। यह एक डिजिटल मर्डर है। यह दुखद हादसा खुनी डिजिटल एल्गोरिदम का परिणाम है। जो मोबाइल के जरिए हम सबके घरों में घुस आया है। यह घटना कोरियन लव गेम और उसके पीछे एल्गोरिदम की कारगुजारी है। शुरुआती जांच में मोबाइल फोन और कोरियाई संस्कृति के प्रति जुनून इस घटना का मुख्य कारण हो सकते हैं। लड़कियां कोरियाई संगीत, ड्रामा, हस्तियां, जापानी फिल्में और डोरेमान के अलावा हिट मैन जैसे कार्टूनों के साथ-साथ ऑनलाइन गेम्स की शौकीन थीं। साथ ही वे कोरियाई कल्चर से इस हद तक प्रभावित थीं कि उन्होंने अपने नाम भी बदल लिए थे। लेकिन ब्लूव्हेल जैसे टास्क आधारित गेम को इस घटना का एक मात्र या मुख्य कारण नहीं माना जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि तीनों बच्चियों की मौत शरीर से ज्यादा खून निकलने और चोट से हुई है। ऊंचाई से गिरने के कारण कई हड्डियां टूटी थीं। परिवार आर्थिक तंगी की मार झेल रहा था और घर में कलह ने भी चीजें सुरक्षित बना दी थीं।

कमरे में एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें सॉरी पापा लिखा हुआ था। इस घटना के बाद बच्चों के बीच फोन एडिक्शन को लेकर फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई मां-बाप का कहना है कि हमारे बच्चे रात को सो नहीं पा रहे हैं। वे इतने डरे हुए हैं। बाल मनोचिकित्सक नीलेश देसाई कहते हैं कि फोन एडिक्शन रसायनिक पदार्थों की लत जैसा ही है। किशोरावस्था एक नाजुक अवस्था है। जहां बदलते समाज के साथ टेक्नोलॉजी का आक्रमण बढ़ रहा है। इस स्थिति में जब कोई किशोर या किशोरी से परिवार एकदम से फोन छीन लेता है तो एक आपदा सी खड़ी हो जाती है। एक बच्चे के लिए ये एक रसायनिक पदार्थ के एडिक्शन से कम नहीं है। डाक्टर भावना वर्मा बताती हैं, लंबे समय से स्कूल न जाने का मतलब पढ़ाई छूटने से नहीं है। यह मनोवैज्ञानिक कमजोरियों का एक सिलसिला खड़ा कर देता है। स्कूल किशोरों के स्वस्थ विकास के लिए केवल तथ्य सीखने की जगह से कहीं अधिक एक अहम स्ट्रक्चर के तौर पर काम करता है। मैंने कई किशोरों और परिवारों को परामर्श दिया है। जहां के पॉप, के-ड्रामा, कोरियाई सौंदर्य रुझान और आइडल्स के प्रति तीव्र आकर्षण एक सामान्य रूचि से कहीं अधिक गहरा हो गया है जोकि बच्चों के लिए बहुत हानिकारक हो चुका है। गाजियाबाद की घटना हर उस माता-पिता के लिए एक चेतावनी है जो यह सोच कर निश्चित बैठे हैं कि उनका बच्चा कमरे में सुरक्षित मोबाइल चला रहा है। कोरियन लव गेम जैसे डिजिटल खेल बच्चों की भावनाओं, असुरक्षा बोध का फायदा उठाकर उन्हें टास्क पूरा करने के लिए मजबूर करते हैं। इसी का एक नतीजा गाजियाबाद की। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के रूप में सामने आया है।

भक्ति, संस्कृति एवं प्रकृति के संगम के साथ 11 फरवरी से गिरनार की तलहटी में भवनाथ मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि मेले का विधिवत प्रारंभ होगा

उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में पवित्र साधु संतों का भव्य नगर प्रवेश कराया जाएगा

श्रद्धालुओं को सभी सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार सज्ज

- सांस्कृतिक विरासत को प्रज्वलित करने के लिए इस वर्ष पहली बार भव्य 'डमरू यात्रा' का आयोजन
- सर्व समाज की बेटियां कलश धारण कर संतों का स्वागत करेंगी
- 800 से अधिक भक्तों के रहने के लिए आराम दायक सुविधा
- 25 स्थानों पर वाहनों के लिए सुरक्षित पार्किंग की व्यवस्था

गांधीनगर, 10 फरवरी : देवाधिदेव महादेव के सानिध्य में भक्ति, संस्कृति तथा प्रकृति के संगम के साथ जूनागढ़ के पवित्र भवनाथ गिरनार की तलहटी में परंपरागत रूप से विश्व प्रसिद्ध 'महाशिवरात्रि मेले' का आयोजन होगा। इस वर्ष आगामी 11 फरवरी से भवनाथ मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ महाशिवरात्रि मेले का विधिवत प्रारंभ होगा। पांच दिनों तक आयोजित होने वाले इस अलौकिक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड और स्थानीय प्रशासन द्वारा विभिन्न सुविधाओं के साथ विशेष आयोजन किया गया है।

जूनागढ़ के सुप्रसिद्ध महाशिवरात्रि मेले की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के लिए इस वर्ष पहली बार भव्य 'डमरू यात्रा' का आयोजन किया गया है, जिसमें उप मुख्यमंत्री भी सहभागिता करेंगे। इतिहास में पहली बार सर्व समाज की बेटियां कलश धारण कर संतों का स्वागत करेंगी। इस भव्य डमरू यात्रा मेले के पहले दिन, यानी 11 फरवरी को शाम 7 बजे भवनाथ प्रवेश द्वार से शुरू होकर भवनाथ मंदिर तक लगभग 400 मीटर के मार्ग पर भक्तिमय वातावरण में निकलेगी। यात्रा के समापन के बाद भवनाथ मंदिर में भव्य महाआरती का भी सुंदर आयोजन किया गया है।

गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा यात्रियों के रात्रि विश्राम को आरामदायक बनाने के लिए 800-850 भक्तों की क्षमता वाला विशाल जर्मन डोम तैयार किया गया है। भक्तों के लिए 2,000 वर्गमीटर में फैले इस डोम में 700 पलंग और 150 फ्लोर बेडिंग की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही 247 हाउसकीपिंग, मेडिकल सहायता, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स और सामान रखने के लिए अलग लगेज रैक जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

मेले में आने वाले नागरिकों के वाहनों के व्यवस्था के लिए उपरकोट, पांजरापोल, वाघेश्वरी मंदिर जैसे 25 अलग- अलग स्थलों पर विशाल पार्किंग प्लॉट्स बनाए गए है। नागरिकों के वाहनों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पार्किंग में सीसीटीवी कैमरा, पीने का पानी तथा शौचालय की भी व्यवस्था की गई है।

मेले के मार्गों और मंदिरों को और अधिक भक्तिमय बनाया जाएगा। जिसमें समग्र भवनाथ मेला क्षेत्र को 'भगवान भोलेनाथ' की थीम पर सजाया जाएगा। भवनाथ मंदिर का फूलों से श्रृंगार और पूरे रवेडी मार्ग पर आकर्षक रोशनी की जाएगी। भवनाथ मंदिर, अखाड़े, दामोदर कुंड और 6 मुख्य प्रवेश द्वारों को आकर्षक रोशनी से जगमगाया जाएगा। मेले के रास्ते में 6 सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र बनेंगे। इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में भगवान शंकर के कलात्मक चित्र भी उकेरे गए हैं। गिरनार द्वार से भवनाथ मंदिर तक के मार्ग पर सजावट और लाइटिंग भी की गई है।

भवनाथ तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए विभिन्न आधुनिक व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। इसके अंतर्गत; पीने के शुद्ध पानी के लिए भवनाथ में 140 परब की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए 10 बोतल क्रशर मशीन और किसी भी चिकित्सा आवश्यकता को पूरा करने के लिए 28 मेडिकल सुविधा काउंटर भी कार्यरत किए गए हैं। इसके अलावा, मेले के दौरान कुल 118 अस्थायी शौचालय तथा भवनाथ क्षेत्र में 6 मोबाइल शौचालय की व्यवस्था भी की गई है। इसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था तथा 247 हाउसकीपिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

इन सभी पार्किंग स्थलों पर फ्लड लाइट, सैनिटेशन, सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था तथा राउंड द क्लॉक पुलिस बंदोबस्त रहेगा। इसके लिए जिला स्तर पर पार्किंग समिति का गठन किया गया है। इन पार्किंग स्थलों से मुख्य दो प्वाइंट भरडावाव और गिरनार द्वार से श्रद्धालु भवनाथ की ओर प्रस्थान करेंगे। पार्किंग स्थलों से विशेष रूप से दिव्यांगों को मेले तक पहुंचाने के लिए लगभग 25 रिक्शाओं द्वारा निःशुल्क परिवहन सुविधा प्रदान करने का आयोजन किया है।

स्थानीय प्रशासन द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाइट एंड साउंड शो और सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि की रात्रि में आयोजित होने वाली साधु-संतों की शाही रवेड़ी और मृगीकुंड में शाही स्नान मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

पहली नजर में ही सुप्रिया पर आया था बिजनेसमैन का दिल, शरद पवार ने क्यों नहीं किया बेटी का कन्यादान?

ण्आजकल सुबह से NCP (SP) की वर्किंग प्रेसिडेंट और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) सांसद सुप्रिया सुले लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं, वजह है उनकी बेटी की शादी, दरअसल उनकी लाडली बिटिया रेवती सुले की शादी पक्की हो गई है। रेवती के भाई विजय सुले ने सोशल मीडिया पर अपनी बहन के ब्याह की बात कन्फर्म की है।

मालूम हो कि रेवती का रिश्ता सारंग अरुण लखानी से तय हुआ है,जो कि मूल रूप से मुंबई के ही रहने वाले हैं और विश्वराज ग्रुप के चेयरमैन अरुण लखानी के पुत्र हैं। हालांकि शादी या सगाई की कोई डेट अभी सामने नहीं आई है, लोगों को उम्मीद है कि ये शादी काफी धूम-धाम और रॉयल होगी लेकिन जो सुप्रिया को करीब से जानते हैं उन्हें भरोसा है कि राजनीति के 'चाणक्य' कहे जाने वाले शरद पवार की बेटी अपनी शादी की तरह अपनी लड़की की भी शादी काफी सादगी से करेंगी।

र४ण१८ र४१ ‍छ्ण्१ र३ड्ड१८

जी हां, शरद पवार और प्रतिभा पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने 4 मार्च 1991 को मशहूर बिजनेसमैन सदानंद भालचंद्र सुले से शादी की थी, ये प्रेमविवाह था। आपको बता दें कि शुरू से ही पढ़ने में बेहद मेधावी सुप्रिया भले ही एक सशक्त सियासी परिवार से ताल्लुक रखती हैं लेकिन वो अपनी लाइफ सिंपल तरीके से ही जीती आई हैं। गौरतलब है कि सुप्रिया स्नातक करने के बाद पुणे अपने चाचा के पास रहने चली गई थीं और वहां पर कुछ दिनों के लिए एक अखबार में पत्रकार के तौर पर काम किया था।

एक पार्टी में हुई थी सुप्रिया और सुले की मुलाकात (र४ण१८ र४१ छड्ड१ र३ड्ड१८)

इसी दौरान वहां उनकी कुछ सहकर्मियों से दोस्ती हुई, जिनके साथ वो एक पार्टी में गई थीं, जहां उनकी मुलाकात सदानंद सुले से हुई, जिस वक्त सुप्रिया उनसे मिली थीं, तब तो वो उनके बैकग्राउंड के बारे में नहीं जानती थीं। सदानंद को पहली नजर में ही सुप्रिया पसंद आ गई और फिर दोनों में मित्रता हुई, जो कि जल्दी ही प्रेम में बदल गई, सदानंद से दोस्ती के

बाद सुप्रिया सुले को पता चला कि वो महिंद्रा एंड महिंद्रा के पूर्व प्रबंध निदेशक भालचंद्र सुले और शशि भट्ट के बेटे हैं।

शशि भट्ट देश की जाने-माने बैडमिंटन खिलाड़ी रही हैं। वो भारतीय सिविल सेवा अधिकारी एम डी भट्ट की बेटी थीं, जिन्होंने बॉम्बे राज्य के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया था। सुप्रिया और सदानंद दोनों के रिश्ते को घरवालों की मोहर मिल गई थी, इसलिए दोनों परिणय सूत्र बंधन में बंध गए लेकिन ये शादी बहुत ही सिंपल थी, इसमें कोई बैंड-बाजा नहीं बजा और ना ही ग्रैंड पार्टी हुई उल्टा इसमें मेहमानों को सिर्फ एक पेड़ा खाने को दिया गया था, हालांकि इस शादी में राजनीति, बिजनेस, खेल और मनोरंजन जगत की कई हस्तियां शामिल हुई थीं।

इस शादी के बारे में पुणे के एक पब्लिक इवेंट में, सुप्रिया सुले ने बात की थी उन्होंने कहा था कि 'मेरी बेटी की शादी भी सिंपल होगी। मेरी शादी में मेरे पापा ने पटाखे नहीं फोड़े। कोई फैंसी ड्रेस या फूलों की सजावट और बैंड बाजा नहीं था। असल में, कोई शादी की दावत नहीं थी। जो लोग इसमें शामिल हुए थे उन्हें याद होगा कि शामिल होने वाले को एक पेड़ा दिया गया था। अगर आपने शादी का इनविटेशन देखा होता, तो आप हंस पड़ते। मैं फिजूलखर्ची वाले फंक्शन के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मुझे लगता है कि शादी को परिवार के स्टेटस से

इसलिए आप अंदाजा लगा सकते हैं के रेवती सुले की शादी भी बहुत ही सादगी से होगी। यही नहीं सुप्रिया सुले की शादी में दिग्गज तो पहुंचे थे लेकिन उनके पिता नहीं, आपको जानकर हैरत होगी कि उनका कन्यादान उनके पिता शरद पवार ने नहीं किया था। लल्लनटॉप को दिए गए इंटरव्यू में, सुप्रिया सुले ने भी बताया था कि उनके माता-पिता ने उनका कन्यादान नहीं किया बल्कि उनके चाचा, प्रताप पवार और उनकी पत्नी ने सुप्रिया का कन्यादान किया था क्योंकि पापा किसी राजनीतिक काम की वजह से दिल्ली में थे और शादी में नहीं आ पाए थे।'

आपको बता दें कि शादी के बाद सुप्रिया भी कुछ साल के लिए अमेरिका चली गई और उन्होंने बर्कले यूनिवर्सिटी में वाटर पॉल्यूशन को लेकर एक रिसर्च पेपर भी लिखा था। इस शादी से उन्हें बेटा - विजय और एक बेटी - रेवती है। यहां आपको ये भी बता दें कि रिश्ते में सदानंद सुले शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे के भांजे हैं और कई कंपनियों में निदेशक के रूप में कार्य कर चुके हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी को आएंगे भारत, कुछ खास है वजह

(जीएनएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्योते पर 17 से 19 फरवरी, 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने इस हाई-प्रोफाइल दौरे की जानकारी दी है। यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

'क्षितिज 2047 रोडमैप' पर होगी अहम बातचीत

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस तीन दिवसीय दौरे के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी 'क्षितिज 2047 रोडमैप' के तहत तय किए गए विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसमें भारत-फ्रांस संबंधों के साथ-साथ आपसी हित से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

मुंबई में भारत-फ्रांस होगा समारोह

भारत यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त रूप से मुंबई में उद्घाटन करेंगे। यह

नवोन्मेष वर्ष पूरे 2026 में भारत और फ्रांस दोनों देशों में मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है।

नई दिल्ली में अकइंपैक्ट समिट

19 फरवरी, 2026 को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'एआई इंपैक्ट समिट में भी भाग लेंगे। इस समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक प्रभावों पर चर्चा की जाएगी, जो भविष्य की तकनीक के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा यह दौरा

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के बाद हो रही है। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह दौरा भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी में आपसी विश्वास, गहराई और इसे और मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कई अहम क्षेत्रों में मजबूत है भारत-फ्रांस साझेदारी

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग और जलवायु कार्रवाई जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैली हुई है। राष्ट्रपति मैक्रों की यह यात्रा इन सभी क्षेत्रों में सहयोग को और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाली है।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना क्या है, कौन है पात्र, कैसे मिलेंगे दो लाख रुपए,यहां मिलेगी पूरा जानकारी

(जीएनएस)। उत्तराखंड में धामी सरकार ने मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ कर दिया है। जो कि महिलाओं के लिए खासा कारगर साबित हो सकती है। ऐसी महिलाएं जो अकेली हैं। इसमें महिलाओं को अधिकतम दो लाख रुपए तक मिल सकते हैं।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना एक सशक्त महिला उद्यमी योजना है। योजना के अंतर्गत अधिकतम 2 लाख तक की धनराशि स्वीकृत किए जा रहे हैं। लाभार्थी द्वारा स्वयं के श्रोतों / लोन के रूप में ली गयी धनराशि के सापेक्ष 75 प्रतिशत या ₹1.50 लाख (जो भी अधिकतम हो) धनराशि की सब्सिडी प्रदान की जायेगी।

योजना के अंतर्गत परियोजना के लिए महिला को विभागीय अनुदान प्रति 75% देय होगी एवं महिला का स्वयं का अंशदान 25% अनिवार्य रूप से देय होगा।

प्रदेश में ऐसी महिलाएं जिनका कोई सहारा नहीं है, या जो अकेली हैं, उनकी मदद के लिए "मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना" लांच की गई है। इसमें स्वरोजगार हेतु राज्य सरकार पात्र महिलाओं को अनुदान दिया जाएगा, जिसकी राशि अधिकतम 1.5 लाख रुपए की होगी। इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अनुदान दिया जाएगा, जो की अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का होगा।

कौन है पात्र

योजना अनुसार यदि कोई महिला अपना खुद का व्यवसाय करना चाहती है तो योजना स्वरुप महिला को 2 लाख तक की राशि पर 75% का अनुदान दिया जाएगा। योजना का लाभ एकल निराश्रित महिलाएं, विधवा, परित्यक्ता, किन्नर, अपराध से पीड़ित या एसिड हमले से पीड़ित महिला या महिलाओं के बच्चे या तो अविवाहित है या नाबालिक है, को प्राप्त होगा। इसके साथ महिलाओं की आयु 21 से 50 वर्ष के मध्य हो और राज्य की स्थायी निवासी हो।

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के अंतर्गत महिला किसी भी व्यवसाय का चयन कर खुद का स्वरोजगार स्थापित कर सकती है। व्यवसाय के लिए मुख्य तौर पर बागवानी, कृषि, पशुपालन, मुर्गी पालन, प्लम्बर कार्य, इलेक्ट्रीशियन, डाटा एंट्री, ब्यूटी पार्लर आदि जैसे

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ, 484 लाभार्थियों को 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर

(जीएनएस)। उत्तराखंड की धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना में विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा या किसी भी कारण से अकेले जीवन का भार उठाने वाली महिलाओं के साथ एसिड अटैक, आपराधिक घटना की पीड़िता, ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया है।

जिन्हें 2 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में जनपद बागेश्वर (42 लाभार्थी), देहरादून (191), नैनीताल (75), पौड़ी (66), टिहरी (23) एवं उधमसिंहनगर (87) के कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में ₹ 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में भेजी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा रही है। महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं है। महिला के सशक्त होने से परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में ₹ 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि दी जा रही है। शेष 7 जनपदों की 540 महिलाओं को भी लगभग ₹ 4 करोड़, महीने के अंत तक डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा

मुख्यमंत्री ने कहा इस योजना के शुरू होने से राज्य की नारी शक्ति अब नेतृत्व की भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृशक्ति के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए निरन्तर कार्य किए जा रहे हैं। महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी योजना के साथ ही ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त करने जैसे कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना, मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर प्रदान किए जा रहें हैं। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य में लगभग 5 लाख महिलाएँ 70 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना व्यवसाय कर रही हैं। 7 हजार से अधिक ग्राम्य संगठन और 500 से अधिक क्लस्टर संगठनों के माध्यम से राज्य की महिलाएँ सामूहिक नेतृत्व की एक अद्वितीय मिसाल भी पेश कर रही हैं।

सहकारी बैंकों के लिए मोदी सरकार का मास्टरस्ट्रोक, आसानी से मिलेगा ₹5 लाख तक लोन

(जीएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और भारत सरकार ने मिलकर सहकारी बैंकों को अधिक सशक्त, आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक सुधारों की एक नई रूपरेखा तैयार की है। इन बदलावों का प्राथमिक लक्ष्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं को पारदर्शी और डिजिटल रूप से उन्नत बनाना है। 'सहकार सारथी' जैसी पहलों के माध्यम से छोटे सहकारी बैंकों को अब वही आधुनिक तकनीक मिलेगी जो बड़े कमर्शियल बैंकों के पास होती है।

साथ ही, प्राथमिक क्षेत्रों (PSL) के लिए कर्ज के नियमों में ढील दी गई है, जिससे किसानों और छोटे उद्यमियों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। ये सुधार न केवल बैंकों के संचालन को बेहतर करेंगे, बल्कि जमाकर्ताओं के ₹5 लाख तक के धन की सुरक्षा सुनिश्चित कर डिजिटल बैंकिंग प्रणाली में जनता का विश्वास और गहरा करेंगे।

लोन की राह हुई आसान

अब सहकारी समितियों को खेती और ग्रामीण विकास के लिए पैसा जुटाना बहुत सरल होगा। आरबीआई ने इन कर्जों को 'प्राथमिकता क्षेत्र' में शामिल कर दिया है। इससे बड़े बैंकों के लिए सहकारी संस्थाओं को फंड देना अनिवार्य हो जाएगा, जिससे सीधे तौर पर छोटे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को सस्ता और समय पर लोन मिल सकेगा।

'सहकार सारथी' से होगा डिजिटल कायाकल्प

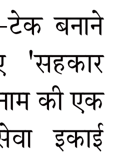

छोटे और ग्रामीण सहकारी बैंकों को हाई-टेक बनाने के लिए 'सहकार सारथी' नाम की एक साझा सेवा इकाई (SSE) बनाई गई है। यह सिस्टम इन बैंकों को आधुनिक सॉफ्टवेयर और नेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं देगा। इसके अलावा, आधार के जरिए लेन-देन (AePS) की फीस कम होने से अब गांव का हर व्यक्ति अपने अंगूठे के निशान से आसानी से बैंकिंग कर सकेगा।

घर के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

शहरी सहकारी बैंकों (UCBs) के लिए हाउसिंग लोन के नियमों को काफी उदार बना दिया गया है। अब ये बैंक अपने कुल फंड का 25% तक हिस्सा घर बनाने के लिए कर्ज के तौर पर दे सकेंगे। पहले यह सीमा बहुत कम थी, जिससे लोगों को लोन मिलने में दिक्कत होती थी। अब शहर के मध्यम वर्ग के लिए सहकारी बैंकों से अपना घर लेना कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

जमाकर्ताओं के ₹5 लाख की सुरक्षा गारंटी

इन सुधारों में सबसे बड़ा जोर आम आदमी के पैसे की सुरक्षा पर है। अब हर सहकारी बैंक के जमाकर्ता को DICGC के तहत ₹5 लाख तक का बीमा कवर मिलता है। इसका मतलब है कि बैंक पर कोई भी संकट आने पर आपकी यह रकम पूरी तरह सुरक्षित है।

पासपोर्ट आवेदकों के लिए सुनहरा अवसर

(जीएनएस)।

क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शुभम सिंह पासपोर्ट आवेदकों के लिए जन शिकायतो के निपटारे हेतु लगवाएंगे शिकायत निवारण मेला जिससे आवेदकों को होने वाली समस्याओं को तुरंत होगा निपटारा इस मेले का आयोजन दिनांक 21 फरवरी 2026 को क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ सहित कानपुर , गोरखपुर,, वाराणसी में होगा मेले का आयोजन जिसमे जल्द पासपोर्ट बनने में होगी आसानी आवेदकों को आ रही समस्याओं का होगा निस्तारण पासपोर्ट आवेदकों को मिलेगी बड़ी राहत ये पहल आवेदकों को सुखद एहसास करवाये गी।

चारों पासपोर्ट सेवा केंद्रों पर एक साथ आयोजित जन शिकायत निवारण मेला होगा। संबंधित अधिकारी पासपोर्ट आवेदकों की समस्याएं मौके पर ही सुलझाएंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी शुभम्‍ सिंह ने कहा पासपोर्ट सेवाओं को पारदर्शी और सरल बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम है। उन्होंने मीडिया से सहयोग की अपील की है। लखनऊ फ्ढड की इस नई पहल के द्वारा अधिक से अधिक नागरिकों तक सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य है। साल 2025 में बना रिकॉर्ड

शुभम सिंह ने बताया कि विभाग लगातार अपनी रफ्तार बढ़ा रहा है। साल 2025 में लखनऊ कार्यालय ने 8,09,839 पासपोर्ट जारी किए, जो कि 2024 (7.33686लाख) के मुकाबले काफी ज्यादा हैं। वही पीसीसी 2024 में(70636) 2025 (62687) सर्टिफिकेट जारी किए गए।उन्होंने कहा कि हमारा पूरा फोकस इस बात पर है की पासपोर्ट आवेदकों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। सुगम सुविधा उपलब्ध हो सके।

आवेदकों के लिए जरूरी सलाह

पासपोर्ट अधिकारी ने कहा कि जो लोग अपनी समस्या लेकर मेले में आएं, वे अपने साथ सभी ओरिजिनल दस्तावेज और उनकी फोटोकॉपी जरूर लाएं। इससे मौके पर ही फाइल को क्लियर करने में आसानी होगी। इससे पहले 27 दिसंबर 2025 को आयोजित मेले में लगभग 500 मामलो का निस्तारण किया गया था। जिन भी पासपोर्ट आवेदकों के मामले लंबित है इस मेले का भरपूर फायदा उठाये। पासपोर्ट सम्बंधित समस्याओं से निजात पाए।

क्षेत्राधिकारी महसी के अध्यक्षता मे थाना रामगांव पर पीस कमेटी बैठक संपन्न

(जीएनएस)।

बहराइच। थाना रामगांव में मंगलवार को क्षेत्राधिकारी महसी के अध्यक्षता मे पीस कमेटी की बैठक की गयी, शांति व्यवस्था के लिए मांगा सहयोग आगामी शिव रात्रि, व रमजान आदि त्योहारों को लेकर पुलिस प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। इस दौरान थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह व क्षेत्राधिकारी महसी ने शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। कानून का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह ने कहा कि त्योहार मिलजुल कर मनाने से इसकी खुशी और बढ़ जाती है। पवित्र मन और प्यार भरे माहौल में इसे मनाने से इसकी पवित्रता कायम रखी जा सकती है। कहा कि प्रशासन त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। माहौल बिगाड़ने वालों पर

होगी कार्रवाई। थाना राम गांव प्रभारी ने कहा कि थाना रामगांव क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में आप सभी पुलिस का सहयोग करें। पुलिस सदा आपके साथ है। अगर किसी को पुलिस का कोई काम गलत लगे तो सीधे अधिकारियों को सूचित कर सकते हैं। क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति अराजकता या शांति व्यवस्था भंग करता है तो उसके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर मेटुकहा चौकी प्रभारी नन्द किशोर सिंह, हाइवे चौकी प्रभारी अयोध्या सिंह,हेड कंस्टेबल भगवानदास, हेड कांस्टेबल अमरजीत, आरक्षी पंकज भारती, अजीत पटेल,आरक्षी आसुतोष गुप्ता, आरक्षी पवन कुमार, आदि व क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति प्रधान प्रतनिधि तारापुर गोपाल,रामगांव प्रधान, सफीक, पूर्व प्रधान दुर्गा प्रसाद खसहा मोहम्मद पुर, ग्राम प्रधान सरपतहा, पप्पू, व तारापुर खुर्द पूर्व प्रधान बुधई वर्मा, व सैकड़ो की भीड़ मौजूद रही।

काजीपुर गांव में वृद्ध महिला की गला दबाकर हत्या, मौके पर पहुंचे पुलिस के आला अधिकारी...

(जीएनएस)।

कौशाम्बी : जनपद के संदीपन घाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत काजीपुर में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। अज्ञात व्यक्ति ने 75 वर्षीय वृद्ध महिला की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान लखपतीया पत्नी रामदुलारे, उम्र लगभग 75 वर्ष, निवासी ग्राम काजीपुर के रूप में हुई है। इस संबंध में मृतका के पुत्र रामशरण पुत्र रामदुलारे ने थाना संदीपन घाट में तहरीर देकर बताया कि दिनांक 8/10/2026 की रात्रि उसकी माताजी घर के बाहर सो रही थीं। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने

उनका गला दबाकर हत्या कर दी। सुबह जब परिजनों ने देखा तो वह मृत अवस्था में पड़ी थीं। सूचना मिलते ही संदीपन घाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को घटना के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि मृतका के गले पर उंगलियों के स्पष्ट निशान पाए गए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि होती है। मामले की जांच के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित कर दी गई है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा संदिग्धों की तलाश तेज कर दी गई है।

घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द हत्याकांड का खुलासा कर दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और शीघ्र ही मामले का सफल अनावरण किया जाएगा।

टीवी स्टार्स का वैलेंटाइंस डे पर प्यार के हर रंग का जश्न!

यूपी/ वैलेंटाइंस डे सिर्फ रोमांस का दिन नहीं है, बल्कि ये हमें याद दिलाता है कि जिंदगी में प्यार कितने अलग-अलग रूपों में मौजूद होता है। इस वैलेंटाइंस डे पर जी टीवी के कलाकार प्यार, रिश्तों और वैलेंटाइंस डे के मायने पर खुलकर बात कर रहे हैं।

'लक्ष्मी निवास' में लक्ष्मी का किरदार निभा रहीं मानसी जोशी रॉय कहती हैं, ''वैलेंटाइंस डे को लेकर मेरा नजरिया थोड़ा अलग है। मुझे लगता है कि ये एक तरह का ट्रेंड बन चुका है। मेरा मानना है कि प्यार हर दिन, हर पल मनाया जाना चाहिए, सिर्फ खास तारीखों पर नहीं।''

'तुम से तुम तक' में अनु का रोल निभा रहीं निहारिका चौकसे कहती हैं, ''मेरे लिए प्यार सिर्फ रोमांस नहीं है, बल्कि वो दोस्तियां भी हैं, जो आपको संभालती हैं, आपके साथ हंसती हैं और हर हाल में साथ खड़ी रहती हैं। इस वैलेंटाइंस डे पर मैं अपने सबसे करीबी दोस्तों के साथ वक्त बिताने, यादें बनाने और प्यार को उसके हर मजेदार और दिल से जुड़े रूप में मनाने का इंतजार कर रही हूं।''

'जगद्धात्री' में माया देशमुख का किरदार निभा रहीं सायंतनी घोष कहती हैं, ''इस साल भी वैलेंटाइंस डे पर मैंने छुट्टी ली है, क्योंकि हमारे लिए सबसे जरूरी है एक-दूसरे के साथ पूरा दिन बिताना।''

'जाने अनजाने हम मिले' में रीत का रोल निभा रहीं आयुषी खुराना कहती हैं, ''इस दौर में प्यार मेरे लिए बहुत खास मायने रखता है। अब मुझे समझ आया है कि प्यार सिर्फ बड़े रोमांटिक पलों का नाम नहीं है, बल्कि रोज-रोज समझे जाने, साथ हंसने और हर दिन एक-दूसरे का सहारा बनने का एहसास है।''

'गंगा माई की बेटियां' में स्नेहा का किरदार निभा रहीं अमनदीप सिद्धू कहती हैं, ''मेरे लिए प्यार बड़े इशारों, महंगे गिफ्ट्स या सिर्फ वैलेंटाइंस डे तक सीमित नहीं है। प्यार भरोसे, इज्जत, सब्र और हर दिन एक-दूसरे को चुनने का नाम है। मैंने प्यार का असली मतलब अपने माता-पिता को देखकर समझा है। उनकी बॉन्डिंग, समझ और हर मुश्किल में एक-दूसरे का साथ देना मुझे बहुत प्रेरित करता है। यही एहसास मुझे उम्मीद देता है कि एक दिन मुझे भी ऐसा साथी मिले, जिसके साथ प्यार आसान और सच्चा लगे।''

'वसुधा' में देव का रोल निभा रहे अभिषेक शर्मा कहते हैं, ''मुझे लगता है कि वैलेंटाइंस डे ऐसा दिन नहीं होना चाहिए, जो किसी पर दबाव डाले। प्यार कई रूपों में होता है - परिवार में, दोस्ती में, खुद से जुड़ाव में। प्यार की कोई तय परिभाषा नहीं होती और ना ही कोई समय-सीमा। चाहे वो अपने पार्टनर के साथ हो, परिवार के साथ या जिंदगी के लिए आभार जताने के तौर पर।''

दवा लेने आए व्यक्ति के पैसे छीनकर भाग रहे झप्पटामारों को भीड़ ने पकड़ा

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित महोली रोड़ पर दवा लेने आए एक व्यक्ति से झपट्टा मारकर पैसे, दवा आदि छीनकर भाग रहे दो झप्पटामारों को लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार महोली रोड़ स्थित प्रदीप मेडीकल पर एक व्यक्ति दवा लेने आया था। दवा लेने के बाद वह मेडीकल के सामने खड़ा था, उसी दौरान बाइक पर आए दो झप्पटामारों ने उससे पैसे, दवा का लिफाफा और

आधार कार्ड छीनकर भागने लगे। पीड़ित व्यक्ति ने शोर मचाया तो हड़बड़ी में शातिरों की बाइक फिसलकर गिर गई। उसी बीच लोगों ने पैसे छीनने वाले कंची पुत्र राशिद और फरवान पुत्र ईसू निवासीगण विभूतिनगर थाना कोतवाली, मथुरा को पकड़ कर धून दिया। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने शातिरों को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने पीड़ित के 5 सौ 30 रुपए, दवाई का लिफाफा और आधार कार्ड बरामद कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भव्य रोजगार मेला सम्पन्न, 425 अभ्यर्थियों ने प्रथम चरण किया उत्तीर्ण

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से आज 10 फरवरी 2026 को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के परिसर में भव्य रोजगार मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में वॉलमार्ट, सुजलॉन, टाटा मोटर्स, हिताची सहित कुल 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आईटीआई के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

रोजगार मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों का रोजगार पोर्टल पर सुव्यवस्थित पंजीकरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे आयोजन का

वातावरण अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक रहा।

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के प्रमुख श्री सुमन मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेले को विद्यार्थियों की ओर से अत्यंत उत्साहजनक और अभूतपूर्व प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि कुल 1227 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। आज आयोजित साक्षात्कार के प्रथम चरण में 425 अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त करते हुए पहला राउंड क्लियर कर लिया है तथा अब ये सभी अभ्यर्थी चयन प्रक्रिया के अगले चरण (नेक्स्ट राउंड) में सम्मिलित होंगे, जो उनकी सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहयोग से ऐसे और अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें और उनका भविष्य सुदृढ़ बन सके

जियोहॉटस्टार पर देखिए कपिल शर्मा की कॉमेडी सीक्वल

'किस किसको प्यार करूं 2'

ম अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी और कपिल शर्मा अभिनीत इस फिल्म में एक बार फिर लगा है

प्यार, गलतफहमियों और जबरदस्त कॉमेडी का तड़का ম

मुंबई,:(जीएनएस)। थिएटर में धमाल मचाने के बाद अब कपिल शर्मा स्टारर फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' डिजिटल स्क्रीन पर आ गई है। फिल्म अब जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है और अपने अनोखे हास्य और कॉमिक ट्विस्ट के साथ दर्शकों के लिए हँसी की बौछार लेकर आई है। फिल्म में कपिल शर्मा अपनी फेमस कॉमिक टाइमिंग के साथ लीड रोल निभा रहे हैं। वहीं, आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, मंजोत सिंह और वारिना हुसैन ने भी फिल्म में अन्य प्रमुख किरदार निभाए हैं। पहली फिल्म की तरह, यह सीक्वल भी रिश्तों एवं पहचान की उलझन और मजेदार गलतफहमियों से भरी है। हल्की-फुल्की कॉमेडी और रोजमर्रा की हास्यपूर्ण स्थितियों के साथ, फिल्म हर उम्र के दर्शकों के लिए हँसी का भरपूर डोज लेकर आई है।

अनुकल्प गोस्वामी द्वारा निर्देशित और वीनस वर्ल्डवाइड एन्टरटेनमेंट द्वारा निर्मित फिल्म 'किस किस को प्यार करू 2' साल 2015 में आई अपनी पहली फिल्म पर आधारित है। जैसे-जैसे एक झूठ दूसरे झूठ को जन्म देता है, किरदार खुद को ऐसे उलझे हालात में पाते हैं जहाँ सच सामने आने का नाम ही नहीं लेता। हल्की-फुल्की कॉमेडी और रिश्तों की कहानी को मिलाकर, फिल्म तेज रफ्तार और मजेदार अंदाज में आगे बढ़ती है। कपिल शर्मा और बाकी कलाकारों की टाइमिंग, एक्टिंग और किरदारों के इंटरैक्‍ शन्‍ स दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोट-पोट करते हैं। साथ ही फिल्म में आधुनिक रिश्तों की अजीबोगरीब परिस्थितियों और उलझनों को भी मजेदार अंदाज में पेश किया गया है। निर्देशक अनुकल्प गोस्वामी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत यादगार रही। इसे बनाने में बहुत मेहनत, टीमवर्क और शानदार कलाकारों का योगदान रहा। कलाकारों ने अपने किरदारों की भावनाओं और स्थितियों की मजेदार उलझनों दोनों को पूरी तरह अपनाया, जिससे कॉमेडी सच में जीवंत हो गई। यही संतुलन 'किस किस को प्यार करूं 2' की खासियत है। अब जब यह फिल्म जियोहॉटस्टार पर आ गई है, दर्शक आराम से बैठकर उसी हंगामे का मजा ले सकते हैं, जैसा इसे देखने का असली मकसद था।ककपिल शर्मा एक बार फिर अपने परिचित कॉमिक अंदाज में लौटे हैं, अपनी खास टाइमिंग और सहज स्क्रीन प्रेजेंस के साथ। फिल्म के जियोहॉटस्‍ टार पर रिलीज पर अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, 'किस किसको प्यार करूं 2' मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि इसने मुझे उस तरह की कॉमेडी में लौटने का मौका दिया जिसे मैं सच में पसंद करता हूँ। फिल्म पूरी तरह पागलपन, उलझन और ऐसे पल से भरी है जो बिना ज्यादा कोशिश किए हँसी ला देते हैं। शूटिंग के दौरान भी कई बार हम सेट पर खुद हँस-हँसकर रुक ही नहीं पाए। यही चीज इस सफर को यादगार बनाती है। अब जब फिल्म जियोहॉटस्‍ टार पर स्ट्रीम हो रही है, मुझे खुशी है कि दर्शक इसे फिर से देख सकते हैं, अपने परिवार के साथ इसका मजा ले सकते हैं और घर की

किसानों के भविष्य को नई दिशा देती शॉर्ट मूवी का निर्माण शुरू

शॉर्ट मूवी में डॉ. अय्यूब हुसैन सीईओ एग्रोहब एक वैज्ञानिक के रूप भूमिका निभाएंगे

लखनऊ। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों पर राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (ठऋऊ) द्वारा जल संचय एवं जलीय खेती पर आधारित एक प्रेरणादायक शॉर्ट मूवी का निर्माण किया जा रहा है। इस फिल्म में विशेष रूप से पर्ल्स (मोती) फार्मिंग और उत्तर प्रदेश सरकार की खेत-तालाब योजना को प्रमुखता से दशार्या गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में उत्तर प्रदेश, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों को शामिल किया गया है। फिल्म का मुख्य उद्देश्य किसानों को जलीय खेती के प्रति प्रेरित करना, कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के आधुनिक तरीकों की जानकारी देना तथा किसानों की आय को दोगुना करने की संभावनाओं को उजागर करना है।

शॉर्ट मूवी में प्रधानमंत्री

द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया गया है, ताकि किसान इन योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर और खुशहाल जीवन की ओर बढ़ सकें।

इस शॉर्ट मूवी में डॉ. अय्यूब हुसैन, सीईओ, एग्रोहब उत्तर प्रदेश, एक वैज्ञानिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वे जलीय खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों और कम लागत में अधिक आय के व्यावहारिक उपायों को सरल और सहज भाषा में किसानों तक पहुंचा रहे हैं। पूरी फिल्म में उनकी भूमिका को बेहद अहम माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग में प्रसिद्ध कलाकारों के साथ-साथ वास्तविक किसानों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे फिल्म की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। किसानों के बीच यह शॉर्ट मूवी पहले से ही काफी सराहना बटोर रही है। इस परियोजना के निर्माण में कृषि विभाग, कानपुर तथा बीएसए कानपुर का विशेष सहयोग रहा है। उम्मीद की जा रही है कि शूटिंग पूर्ण होने के बाद यह शॉर्ट मूवी आधुनिक खेती और जलीय कृषि को बढ़ावा देने में किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस पूरे कार्यक्रम में डायरेक्टर आनंद कुमार त्रिपाठी, ज़िला भूमि संरक्षण अधिकारी कुशवाहा तथा कृषि विभाग, कानपुर का अत्यंत सहयोग रहा। यह समस्त शूटिंग ठऋऊ द्वारा की जा रही है।

जेंडर ट्रांस्फरमेटिव शिक्षा के माध्यम से ही आएगा शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक बदलाव, यूटीजीएएन के गठन में हुई चर्चा

लखनऊ, 10 फरवरी। उत्तर प्रदेश राज्य में बालिका शिक्षा को अधिक समान, गुणवत्तापूर्ण और परिवर्तनकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ गर्ल एजुकेशन एलायंस नेटवर्क (UTGAN) का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को लखनऊ में किया गया। यह नेटवर्क राज्य में बालिका शिक्षा पर कार्यरत नागरिक समाज संगठनों (CSOs) का एक सहयोगी मंच है, जो जेंडर ट्रांसफोरमेटिव एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक और प्रणालीगत बदलाव लाने के उद्देश्य से गठित किया गया है।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए स्वतालीम फाउंडेशन के सह संस्थापक वैभव कुमार ने वळऋअठ की यात्रा बताते हुए सभी संस्थानों के मंच पर आने को एक सुनहरा अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थानों के सामूहिक प्रयास से सरकार द्वारा करे जा रहे किशोरियों की शिक्षा और लैंगिक समानता के प्रयासों को बल मिलेगा और बदलाव की दिशा में यह एक सकारात्मक पहल साबित होगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पवन सचान, संयुक्त निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (रउएफ्ळ), उत्तर प्रदेश, ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा में वास्तविक बदलाव केवल नामांकन तक सीमित नहीं रह सकता है और इसके लिए वळऋअठ जैसे समूहों को आगे आ कर साथ मिल कर कार्य करने की जरूरत है। डॉ. पवन सचान के अनुसार बालिका शिक्षा में वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है जब पाठ्यक्रम, शिक्षण प्रक्रिया और सामाजिक सोच—तीनों में समानांतर बदलाव हो।उन्होंने यह भी कहा कि जेंडर ट्रांस्फरमेटिव शिक्षा के माध्यम से ही शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक आएगा।

इस अवसर पर ह्यजेंडर ट्रांसफोरमेटिव शिक्षा में सिद्धांत से व्यवहारह्ण पर एक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ,जिसमें उत्तर प्रदेश में शिक्षा के माध्यम से एक लैंगिक समान प्रदेश की परिकल्पना को लेकर चर्चा की गयी` इसमें वैश्विक उदाहरणों और शोध से निकाली गयी प्रणालियों को लेकर, उत्तर प्रदेश के परिपेक्ष्य में कैसे उतारा जा सकता है और कैसे सामूहिक प्रयास से लैंगिक विषमता को जड़ से समाप्त किया जा सकता है इस पर भी चर्चा हुई।

उत्तर प्रदेश महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक पुष्पेंद्र सिंह ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सामजिक संगठन अगर सरकार की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाए तो प्रयास और प्रभावशाली होगा और वळऋअठ जैसे समूह इसमें एक प्रभावकारी भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान वळऋअठ के चार्टर का औपचारिक विमोचन किया गया , जिसमें नेटवर्क की साझा दृष्टि और आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई इस अवसर पर डॉ. अनन्या तिवारी, सह-संस्थापक, स्वातलीम फाउंडेशन, ने सभी सहभागी संगठनों को इस सहयोगी पहल के लिए बधाई दी और कहा कि यह प्रयास उत्तर प्रदेश में बालिका शिक्षा को लेकर एक नई सोच और दिशा प्रस्तुत करता है। UTGAN आने वाले वर्षों में शोध, नीति संवाद और जमीनी स्तर पर कार्य के माध्यम से उत्तर प्रदेश में बालिका शिक्षा के क्षेत्र में एक सहयोग आधारित मॉडल विकसित करेगा, जो राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बनेगा।

इस सहयोगी नेटवर्क में स्वातलीम फाउंडेशन, पीरामल फाउंडेशन, यूनिसेफ, स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन, एजुकेट गर्ल्स, एक्शनऐड , प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन और मिलान फाउंडेशन शामिल हैं। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के अधिकारी, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय उरड प्रतिनिधि, शिक्षाविद और जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।